4. अध्याय

उपसंहार

4.1-परिचय

पिछले अध्यायों में शोध के परिचय, शीर्षक, शोध के उद्देश्य, शोध प्रश्न , शोध विधि, साहित्य पुनरावलोकन , शोध में किए गए पुनरावलोकन साहित्य शोध से संबंधित प्रदत्त विश्लेषण , शोध प्रश्नों के उत्तरों को शामिल किया गया है। इस अध्याय में शोध में प्राप्त किए गए निष्कर्ष ,शोध के उपसंघार एवं आगे किए जाने वाले शोध के सुझाव को शामिल किया गया है।

यह अध्ययन का महत्वपूर्ण हिस्सा है जिसके अंतर्गत संपूर्ण अध्ययन को दूसरे शब्दों में व्यक्त किया जाता है। इसके अंतर्गत अध्ययन में शामिल हुए संपूर्ण पहलुओं को बहुत ही कम शब्दों में शामिल किया जाता है।

इस अध्याय में किए गए अध्ययन के सारांश को शामिल किया गया है। इसके अंतर्गत सुगम्य भारत अभियान, इसके उद्देश्य, लक्ष्य एवं चुनौतियों को कम शब्दों में बताया गया है।

4.2-निष्कर्ष

इस अध्ययन से यह निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि " सुगम्य भारत अभियान" सरकार द्वारा विकलांग व्यक्तियों की सभी क्षेत्र में सुगम्यता के लिए उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है जिसका उद्देश्य विकलांग व्यक्तियों के मार्ग में आने वाली बाधाओं को दूर करना है। इस अभियान की सफलता के लिए सरकार द्वारा विशेष प्रयास किए गए परंतु कई सारी

चुनौतियां के कारणवश इसकी समय सीमा को बढ़ाया जा रहा है। इस अभियान की सफलता की जिम्मेदारी सिर्फ सरकार की ही नहीं है अपितु हर व्यक्ति एवं संस्था को इसके लिए अपनी भागीदारी देनी होगी तभी इसके लक्ष्य की प्राप्ति पूर्ण रूप से की जा सकेगी।

4.3-अध्ययन का उपसंहार

"जल बिंदू निपातेन क्रमशः पूर्यते घट:"

अर्थात- बूंद बूंद से ही घड़ा भरता है। कहने का आशय यह है कि कोई भी बड़ा कार्य क्रमशः होता है उसमें जो भी कारक होते हैं वह उस कार्य की गति एवं दिशा को प्रभावित करते हैं।

ऐसा ही" सुगम्य भारत अभियान" भी है। यह एक राष्ट्रव्यापी अभियान हैं इसमें भी कई कारक है जो इसकी गति एवं दिशा को प्रभावित करते हैं। यह एक बड़ा अभियान है इसकी सफलता के लिए एक वातावरण विकसित करना होगा जिसमें केवल सरकार भर नहीं बल्कि कारपोरेट समुदाय, उद्योग जगत, स्वयंसेवी संगठन, मीडिया और समाज एवं शैक्षिक संस्थान इन सब का सहयोग आवश्यक है।

इन सब से अलग एक अन्य कारक ने इस अभियान की समय सीमा बढ़ाने में अपनी सक्रिय भूमिका दर्ज की है जिससे केवल हमारा देश भर ही नहीं बल्कि विश्व के सभी देशों की दिशा एवं दशा प्रभावित हुई है, वह है कोविड-19 नामक वैश्विक महामारी। जिसका प्रथम केस भारत में 30 जनवरी 2020 को केरल में सामने आया था। और इतनी तीव्रता के साथ समूचे देश की अर्थव्यवस्था, सहित सभी क्षेत्रों को अपनी पकड़ में ले लिया और समग्र राष्ट्र को लॉकडाउन पर लाकर खड़ा कर दिया। स्थिति इतनी भयावह हो चुकी है। सारा देश दो लहरें भुगत चुका है और तीसरी को झेलने की तैयारी कर रहा है। हालांकि वैक्सीन के द्वारा

इसे कंट्रोल करने का सक्रिय प्रयास जारी है किंतु समग्र व्यवस्थाओं ,योजनाओं को बुरी तरह से हिला दिया है l ऐसी स्थिति में" सुगम्य भारत अभियान" भी प्रभावित हुए बिना नहीं रहा हैl

दिव्यांगों को सार्वभौमिक पहुंच एवं जीवन जीने का अवसर केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है यह हम सब का मिलाजुला प्रयास होना चाहिए तभी यह अभियान अपनी पूर्ण सफलता को प्राप्त हो सकेगाl यह केवल सरकारी अभियान बनकर ना रह जाए इसके सामाजिक चेतना एवं जागरण की आवश्यकता है जिसकी न्यूनता पाई जा रही हैl

सरकार का प्रयास भीमा भले हो लेकिन है सराहनीय, गति अभियान की मंद भले ही है किंतु स्थिर नहीं है कार्य चल रहा है बंद नहीं है आवश्यकता है इसे गति देने की एवं क्षेत्र बढ़ाने की, जिसमें उपरोक्त संगठनों का क्रियान्वित सहयोग अपेक्षित हैl सरकार का अभियान को सफल बनाने का हर संभव प्रयास दृष्टिगोचर हो रहा हैl सरकार एवं आई. आर. टी. सी. ने ऐसे प्रावधान किए हैं जिसमें व्हीलचेयर की बुकिंग का प्रावधान किया हैl पूर्वी रेलवे ने मोबाइल व्हीलचेयर के फोल्डेबल रैंप की व्यवस्था, भुवनेश्वर, संबलपुर और विशाखापट्टनम रेलवे स्टेशनों में की हैl

211 CPWD भवनों को दिव्यांगों के लिए सुगम्य बनाया गया हैl 354.45 करोड़ रुपए की व्यवस्था 1058 भवनों को दिव्यांगों हेतु सुगम्य बनाने के लिए संपूर्ण देश में की गई हैl

दिव्यांगों की सुविधा हेतु 9000 सरकारी वेबसाइट में 917 वेबसाइट की पहचान की गई है जिसका आमतौर पर प्रयोग होता है जिसकी पहले चरण में 104 वेबसाइट को पूर्ण सुगम्य बनाया गया है इस कार्य को छत्तीसगढ़, मेघालय और हरियाणा राज्य में बेहतर तरीके से किया गया हैl

इस प्रकार हम देखते हैं कि समय सीमा की बार-बार बढ़ोतरी इसकी गति एवं उत्साह की कमी को प्रदर्शित करती है। कछुए की चाल से चलकर अभियान को सफल नहीं किया जा सकता है इसके लिए इसके कारकों में वृद्धि कर युद्ध स्तर पर कार्य को पूर्णता सफल बनाने की इच्छा शक्ति से कार्य करना होगा तभी दिव्यांगों को सार्वभौमिक पहुंच एवं जीवन जीने का अवसर प्राप्त होगा अन्यथा एक सदी में कार्य संभव नहीं होगा।

4.4-आगे के शोध के लिए सुझाव

शोधकर्ता द्वारा किए गए इस अध्ययन से इसी विषय पर आगे किए जाने वाले शोध के लिए सुगम्य भारत अभियान को समझने, उसके उद्देश्यों को, लक्ष्यों को समझने एवं इस अभियान के अंतर्गत अभी तक किए गए कार्यों के बारे में जानने में सहायता होगी।

आगे आने वाले समय में सुगम्य भारत अभियान पर विश्वव्यापी महामारी कोविड-19 के प्रभाव का अध्ययन किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त सुगम्य भारत अभियान के अंतर्गत और क्या परिवर्तन किए गए एवं सरकार द्वारा क्या यह गए इसका भी अध्ययन किया जा सकता है।